• बाल कविता...

## आइस क्रीम वाला....

ले लो आइस-क्रीम कह रहा।
देखो आ चला रहा पथ पर॥
कड़ी दोपहरी धरती तपती।
गर्म गर्म झोंके लू चलती॥
वस्त्र भीगकर तन से चिपके।
हुआ पसीने से ऐसा तर॥
देखो चला...
गाड़ी बन्द ढुलकती आती।
इसमें उसके श्रम की ढाती॥
शीतलता है साथ-साथ है तर॥
नहीं कंठ भी करता है तर॥
देखो चला...
ठंडक तो औरों के हित है।
गर्मी में ही उसका हित है।
यही जीविका इसकी भाई।
इस पर इसका जीवन निर्भर॥
देखो चला...
लोग घरों में पड़े सो रहे।
सुख सपनों में पड़े खो रहे॥
लेकिन वह आवाज लगाता।
चलता ही जाता है पथ पर॥
देखो चला...

**सरोजिनी कुलश्रेष्ठ**

• चुटकुले..

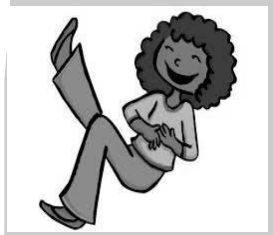

मास्टर– कमीनों पढ़ाई शुरू कर दो।
पेपर आने वाले हैं।
पप्पू – मैं तो खूब पढाई करता हूं कुछ भी पूछ लो।
मास्टर – बता ताजमहल किसने बनाया?
पप्पू – मिस्त्री ने
मास्टर – अबे गधे मतलब किसने बनवाया।
पप्पू – ठेकेदार ने बनवाया होगा।

मैडम डंडा लेके क्लास में आयी।
मैडम – पिंकी तू कल स्कूल क्यों नहीं आयी थी।
पिंकी – मैडम मैं सपने में जापान पहुंच गयी थी।
मैडम – बिल्लू तू कहां था कल?
बिल्लू – मैडम मैं पिंकी को एयरपोर्ट पे छोड़ने गया था।

• आप जानते हैं...

## सबसे सुंदर फूल...

फूल को रंग, सुगंध और संरचना के आधार पे, वैज्ञानिकों ने अब तक 1 से अधिक किस्म फूलों के किस्मो को चिन्हित किया है और उसपे शोध करके, प्राकृतिक में उसकी उपयोगिता बताया है और अभी ना जाने कितने फूल लोगों के नजरो से अछूत हैं।

अभी तक जितने भी फूल मनुष्य के नजरो में रहे है उसमें से दुनिया के बेहतरीन फूल, जिसमें वैज्ञानिक और गूगल दोनों रैंकिंग एक है वो कुछ इस तरह से है-

● **चेरी ब्लॉसम फ्लावर** - चेरी ब्लॉसम फूल बहुत खूबसूरत होता है और यह बहुत कम समय के लिए कुछ ही देशों में खिलता है। भारत,पाकिस्तान,जापान,साइबेरिया और चीन इसके लिए खास देश माने जाते हैं। जापान में तो इस फूल के खिलने की खुशी में सेलिब्रेशन किया जाता है। भारत में भी चेरी ब्लॉसम फूल मेघालय और हिमालय से जुड़े राज्यों में देखने को मिलते हैं। ये फूल नवम्बर महीने में भारत में खिलता है। इसी वजह से नवम्बर में मेघालय में इस फूल के खिलने की खुशी जाहिर करने के लिए, कई तरह के महोत्सव आयोजित किये जाते हैं।

● **डेहलिया** - दिल लुभाते डहेलिया के फूल घर, आंगन और बगीचे को अपनी रंग-बिरंगी किस्मों से खूबसूरत गुलदस्ते में तबदील कर देते हैं। मौसमी फूलों में डहेलिया अपने विविध रंग, रूप व आकारों के कारण उद्यान को आकर्षक व मनमोहक बनाता है। डहेलिया की जन्मभूमि मैक्सिको है। वनस्पति वैज्ञानिक ऐंड्रोस डेहल के नाम पर इस फूल का नाम 'डहेलिया' रखा गया। यह बड़े आकार का अनेक रंगों और आकारों में पाया जाने वाला ऐसा आकर्षक फूल है जिसमें नीले रंग को छोड़कर विभिन्न रंगों और रूपाकारों की 50,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं।

● **आर्किड** - फूलों में आर्किड एक अति सुंदर पुष्प है । इसकी उत्पति अमेरिकावासी, मैक्सिको, भारत, श्रीलंका, फिलिपींस, आस्ट्रेलिया इत्यादि देशों को माना जाता है। हमारे देश में आर्किड की लगभग 1300 प्रजातियां पायी जाती हैं।

• तेनालीराम का किस्सा

## पड़ोसी राजा तेनालीराम...

**गतांक से आगे...**

तेनाली राम ने राजा का फैसला सुना और अपनी सफाई में एक भी शब्द नहीं कहा।

दूसरे दिन जब तेनाली राम के विरोधियों ने यह सुना कि तेनाली राम राज्य छोड़कर चला गया है तो उनकी खुशी की सीमा न रही। वह सब राजा पर अपना प्रभाव बढ़ाने के उपाय सोचने लगे और अपनी पदोन्नति के मंसूबे बांधने लगे।

तेनाली राम विजयनगर राज्य के शत्रु राज्य की राजधानी पहुंचा और वहां के राजा से मिला।

राजा अपनी प्रशंसा सुनकर खुशी से झूम उठा। उसने तेनाली राम से उसका परिचय पूछा।

तेनाली राम ने अपना परिचय देते हुए कहा, ''मैं विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय का निजी सचिव तेनाली राम हूं।''

उस राजा ने तेनाली राम का भरपूर स्वागत किया।

राजा बोला, ''तेनाली राम, राजा कृष्णदेव राय हमें अपना शत्रु मानते हैं, तुम हमारे दरबार में निडर होकर कैसे चले आए? तुम तो राजा कृष्णदेव राय के निजी सचिव हो। यहां शत्रु के राज्य में तुम्हारा कोई भी अनिष्ट हो सकता है?''

राजा ने हालांकि सच कहा था। फिर भी तेनाली राम ने मुस्करा कर कहा, ''राजन! आप विद्वान हैं, आपके पास अपार शक्ति है। आप सुयोग्य प्रशासक हैं और प्रजा की भलाई चाहने वाले हैं। बिल्कुल ऐसे ही गुण हमारे महाराज में भी हैं। वे आपको अपना शत्रु नहीं, मित्र मानते हैं। आपकी इसी भ्रान्ति के निवारण के लिए महाराज ने मुझे आपके पास भेजा है।''

''हैं! महाराज हमारे दुश्मन नहीं, दोस्त हैं।''''लेकिन हमारे जासूसों ने तो हमें यह खबर दी थी कि राजा कृष्णदेव राय हमारे राज्य पर हमला करने की तैयारी कर रहे हैं।''

''हां राजन, हमारे गुप्तचरों ने हमारे महाराज से यही बात आपके लिए भी कही थी। तभी हमारे महाराज ने मुझे आपके पास भेजा है। युद्ध कभी किसी के लिए लाभकारी हुआ है, जो आप जैसे दो विद्वान राजाओं को लाभकारी होगा?''

उस राजा पर तेनाली राम की बातों का असर हुआ। वह बोला, ''लड़ाई तो मैं भी नहीं चाहता लेकिन यह बात साबित कैसे हो कि राजा कृष्णदेव राय सच्चे दिल से सुलह के इच्छुक हैं?''

''आप कल ही कुछ उपहार व सन्धि पत्र देकर अपना एक दूत विजयनगर भेज दें। उस दूत को मैं भी अपना एक पत्र दूंगा। यदि महाराज कृष्णदेव राय आपका उपहार स्वीकार कर लें तो मित्रता समझी जाए और यदि वे उपहार लौटा दें तो आप मुझे जो चाहें दण्ड दे दें।''

''लेकिन यह तो मेरी तरफ से सुलह का पैगाम हुआ। यह तो मेरी हेठी मानी जाएगी।''

''लेकिन सन्धि प्रस्ताव लेकर तो मैं स्वयं आपकी सेवा में उपस्थित हुआ हूं। पहल तो हमारे राज्य की ओर से है।''

उसने दूसरे ही दिन अपना एक विशेष दूत कुछ उपहार साथ देकर विजयनगर भेज दिया।

उधर राजा कृष्णदेव राय को भी यह पता चल चुका था कि तेनाली राम बेकसूर था। उसके विरुद्ध दरबारियों ने आपस में मिलकर झूठी चाल चली थी।

इधर जैसे ही शत्रु राजा का दूत बहुमूल्य उपहार लेकर राजा कृष्णदेव राय के पास पहुंचा तो राजा प्रसन्नता से भर उठे।

उन्होंने मन ही मन तेनाली राम की बुद्धिमानी की प्रशंसा की और उस दूत के साथ ही, अपना मंत्री भी उस राजा के लिए उपहार देकर भेज दिया। राजा कृष्णदेव राय ने अपना एक विशेष पत्र भी उस राजा के नाम लिखा कि तेनाली राम को तुरन्त वापस भेज दिया जाए।

और जब तेनाली राम वापस विजयनगर पहुंचा तो राजा कृष्णदेव राय ने उसका विशेष स्वागत किया और उसे ढेरों पुरस्कार दिए।

जिन दरबारियों ने तेनाली राम के विरुद्ध षड्यंत्र रचा था, वे दरबारी शर्म से पानी-पानी हो गए।

**उस राजा ने तेनाली राम का भरपूर स्वागत किया। राजा बोला, ''तेनाली राम, राजा कृष्णदेव राय हमें अपना शत्रु मानते हैं, तुम हमारे दरबार में निडर होकर कैसे चले आए? तुम तो राजा कृष्णदेव राय के निजी सचिव हो।**

**यहां शत्रु के राज्य में तुम्हारा कोई भी अनिष्ट हो सकता है?'' राजा ने हालांकि सच कहा था। फिर भी तेनाली राम ने मुस्करा कर कहा, ''राजन! आप विद्वान हैं...**

• जानकारी...

## वायलिन...

*वायलिन विश्व के सबसे लोकप्रिय वाद्ययंत्र में से एक है । इसका प्रयोग पाश्चात्य संगीत से लेकर हर तरह के संगीत में किया जाता है।तारवाले वाद्ययंत्रों ( जैसे सारंगी, सितार आदि) में बेला सबसे छोटा, परंतु ऊँचे तारत्ववाला वाद्ययंत्र है।इसमें एक विशेष प्रकार की अनुनाद मंजूषा होती है, जिसके ऊपर से भिन्न भिन्न मोटाई के चार तार एक सेतु से होकर जाते हैं। तारों का तनाव घूमती हुई खूंटियों द्वारा ठीक किया जाता है।प्रत्येक तार से जो मूल स्वर उत्पन्न होता है, उसकी आवृत्ति 435 हर्ट्ज होती है। दूसरे प्रकार के स्वरों को पैदा करने के लिए तारों की लंबाई को घटाया बढ़ाया जाता है। एक धनु को तारों पर दाऐं बाऐं घुमाकर तारों में कंपन उत्पन्न किया जाता है। इस धनु के दोनों सिरे घोड़े के बालों से बँधे होते हैं। इस वाद्ययंत्र की विशेषता यह है कि इसमें केवल चार ही तार होते हैं।बेला के नियम बहुत ही जटिल हैं। उनके बारे में यही कहा जा सकता है कि वे ध्वनि के परिचित सिद्धांतों पर आधारित हैं। तारों की लंबाई और तनाव में परिवर्तन कर उनसे भिन्न भिन्न प्रकार के स्वर उत्पन्न किए जाते हैं।*

• कुछ खास...

**हमारे फिंगरप्रिंट की तरह प्रत्येक इंसान की जीभ के प्रिंट भी अलग-अलग होते हैं। साथ ही सिर्फ जुड़वां लोगों को छोड़कर प्रत्येक व्यक्ति की अपनी एक अलग गंध भी होती है।शरीर के भार का लगभग दो-तिहाई भार सिर्फ पानी का है। इसमें खून का 94%, मस्तिष्क का 83% और मांसपेशियों का 75% पानी शामिल होता है। हम कोई भी वस्तु अपनी आँखों से नहीं बल्कि अपने दिमाग की मदद से देख पाते हैं। हमारी आँखें सिर्फ सूचना ( इनफार्मेशन ) को लेने का काम करती हैं और इसको हमारे दिमाग तक पहुचाती हैं।**